Meeting of targets under PMS

*404.SHRI MAHENDRA MOHAN:††

SHRIMATI SHOBHANA BHARTIA:

Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether her Ministry has since implemented the 'Performance Management System' as recommended by the Administrative Reforms Commission (ARC);

(b) if so, the facts and details thereof;

(c) whether the objectives and targets fixed under the Performance Management System have since been achieved by the Ministry; and

(d) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF TOURISM (KUMARI SELJA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) to (d) Based on guidelines received from the Cabinet Secretariat, the Ministry of Tourism has prepared a draft Results Framework Document (RFD) outlining the goals, objectives and targets set for the period January-March, 2010 and has submitted it to the Cabinet Secretariat before the deadline of 30th November 2009.

श्री महेन्द्र मोहन : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने 'Performance Management System' को सबसे पहले पर्यटन मंत्रालय में लागू किया और जो सौ दिन के टार्गेट के अंदर उन्होंने लागू करने का आश्वासन दिया था, उसके हिसाब से उनके द्वारा एक रिपोर्ट भी Cabinet Secretariat के पास चली गई है। तो मैं उनसे यही जानना चाहता हूं कि उस रिपोर्ट के अंतर्गत जो Results Framework Document उन्होंने तैयार किया है और Cabinet Secretariat को दिया है, उसमें टूरिज्म से संबंधित क्या-क्या विषय शामिल किए गए हैं? क्या hospitality से संबंधित प्रबंधन, hotel classification और उसके approval वगैरह के बारे में कोई जिक्र है, क्योंकि कॉमनवेल्थ गेम्स होने जा रहे हैं और इस समय पर्यटन हमारे लिए बहुत ही आवश्यक है कि हमारे यहां पर जो विदेशी लोग आएं, उन्हें सही पर्यटन मिले और उनको सही सुविधाएं मिलें। तो उस डॉक्युमेंट में क्या-क्या चीजें शामिल की गई हैं, यह मैं जानना चाहूंगा।

कुमारी शैलजा : सर, मैं माननीय सदस्य का धन्यवाद करती हूं कि आपको इस बात के बारे में मालूम है कि हमारा मंत्रालय सबसे पहला था, जिसने यह ड्राफ्ट RFD Cabinet Secretariat को दिया है और इसका मकसद यही है कि हम अपने results को quantifiable करें और हरेक सेक्टर इसमें लिया गया है, मिसाल के तौर पर, 'To develop hotel accommodation of requisite standards in the country so as to meet the growing demand of hotel accommodation' को हमने 10 marks दिए हैं और इस सेक्टर का performance हम 10 marks के against measure करेंगे, ताकि पता चले। और यह public domain में भी आएगा कि हम इसमें कितना achieve कर पाए हैं। इससे pressure बनता है - हमारे मंत्रालय पर भी, सरकार पर भी और individual officers पर भी - कि हम हरेक काम time bound manner में करें ताकि लोगों को नज़र आए। इस प्रकार transparency और accountability सबकी होनी चाहिए। इसलिए हमारे मंत्रालय में हरेक सेक्टर को, हरेक सेक्शन को हमने मार्क्स दिए हैं और उस वेट के against ही सबकी performance measure की जाएगी।

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Mahendra Mohan.

श्री महेन्द्र मोहन : माननीय मंत्री महोदया, मैंने स्वयं कहा है कि performance management system को लागू करने वाला पहला मंत्रालय आपका मंत्रालय है। यह बहुत ही अच्छी बात है, लेकिन क्योंकि कॉमन वेल्थ गेम्स सामने हैं और हमारे यहां टूरिस्ट आने वाले हैं, कल मैंने एक स्पेशल मेंशन में भी कहा था कि इसके साथ ही साथ आप इस ओर भी ध्यान दें कि जो travel agents हैं, जो यहां पर इस तरीके के कार्य कर रहे हैं और जो टूरिस्ट्स आते हैं, वे उनका exploitation करते हैं। उस exploitation को रोकने के लिए भी कुछ मार्क्स performance management system में रखे जाएं और उन travel agents को रजिस्टर किया जाए। इसके अलावा यह भी व्यवस्था की जाए कि जो monuments वगैरह का संरक्षण हो रहा है, वह उसके पूर्व हो जाए। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित करके कुछ मार्किंग आप रखें तो शायद कॉमन वेल्थ गेम्स के समय जो हमारे यहां पर पर्यटक आएंगे, उनको लाभ मिलेगा और उससे हमारे देश का नाम ऊपर होगा। मेरा सुझाव है कि उन लक्ष्यों की ओर भी ध्यान दें और उसकी समय सीमा बांधें कि कॉमन वेल्थ गेम्स से पहले ये सारे कार्य हो जाएं।

कुमारी शैलजा : जी बिल्कुल। जैसा मैंने पहले बताया, हमने अपनी मिनिस्ट्री के हरेक सेक्शन के मार्क्स रखे हैं और उसमें ये सारी बातें हैं। जैसा आपने सर्विसेज़ की बात कही, इसके भी हमने पांच मार्क्स रखे हैं, to facilitate quality of services to tourists in the country - जो भी पैमाने हैं, सबको इसमें मार्क किया जाएगा।

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा : धन्यवाद महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि performance management system के तहत क्या आपने गुणवत्ता के मानकों को भी शामिल किया है? महोदय, बाहर से आने वाले टूरिस्ट्स को जो टूर ऑपरेटर्स वायदा करके यहां पर लेकर आते हैं कि हम आपको यहां पर monuments दिखाएंगे और इस-इस जगह पर लेकर जाएंगे, लेकिन यहां पर आने के बाद वे टूरिस्ट्स ठगे जाते हैं। क्या आपने ऐसी कोई व्यवस्था की है जिससे टूर ऑपरेटर्स को यहां पर रजिस्ट्रेशन हो और क्या उनका डाटा बेस मेंटेन करने का काम आप करेंगे। जिससे उनकी performance का आप मूल्यांकन कर सकें?

कुमारी शैलजा : महोदय, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। हमने इसके लिए भी प्रावधान किया है We will be undertaking surveys and studies In the field of tourism and we will launch a survey and a study to see all this. हरेक चीज़ को quantifiable किया जाएगा और इसके लिए भी हमने पांच मार्क्स रखे हैं।

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I would like to know from the Minister that in the event of Commonwealth Games, of course, it is a very close-linked question, what efforts the Tourism Ministry is making to build new hotels. We do not find any new hotels coming up in New Delhi. So, I want a very categorical reply on what efforts the Government is making to attract the tourists to come to the Commonwealth Games.

KUMARI SELJA; Sir, the question does not necessarily arise out of this. But I shall answer this in any case. Sir, according to a study, it was found that we would be needing about 40,000 rooms in and around Delhi for the Commonwealth Games. About 10,000 rooms are already available and a provision has to be made for 30,000 more rooms. The work is on track, and I would assure the House and the hon. Member that we shall be well-prepared for receiving the visitors for the Commonwealth Games.

श्री गंगा चरण : महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से कहना चाहता हूं कि देश में कॉमन वेल्थ गेम्स की शुरूआत होने जा रही है। उस समय बहुत बड़ी मात्रा में विदेशी पर्यटक यहां आएंगे, लेकिन उसके लिए परिवहन की कोई समुचित व्यवस्था अभी दिखाई नहीं दे रही है। जैसे हम एयरपोर्ट से टैक्सीज़ लेते हैं, रेलवे स्टेशन से टैक्सीज़ लेते हैं, वे टैक्सीज़ बहुत ही घटिया स्तर की हैं। इनके सुधार के लिए पर्यटन मंत्रालय क्या करने जा रहा है? दूसरा, खजुराहो पर्यटन स्थल के लिए अभी एक ही फ्लाइट जाती है, वह रेलवे लाइन से जुड़ा हुआ है। क्या आप रेलवे मंत्रालय से सहयोग लेकर वहां के लिए शताब्दी एक्सप्रेस चलाने जा रहे हैं? मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि परिवहन के क्षेत्र में पर्यटन मंत्रालय क्या कर रहा है?

कुमारी शैलजा : सर, कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए पूरी तरह से तैयारी की जा रही है, दिल्ली में और दिल्ली के आसपास चाहे टैक्सियां हैं, चाहे दूसरे पब्लिक ट्रांसपोर्ट हैं, आप जानते हैं कि मैट्रो की कनेक्टिविटी बढ़ रही है, केवल टैक्सियां अपने आप में नहीं, मैट्रो है, टैक्सियां हैं, हमारी बसेज़ हैं विभिन्न राज्यों में, दिल्ली में और आसपास के राज्यों में, सबको अपग्रेड करने की बात चल रही है, इसके लिए मैं एक बात और बताना चाहूंगी कि जो हमारे पर्यटक एक राज्य से दूसरे राज्य में टैक्सियों से जाते हैं, उसके लिए भी हमने सहूलियतें बढ़ाई हैं और आने वाले समय में, जो उन्हें दिक्कत का सामना करना पड़ता था एक राज्य से दूसरे राज्य में, उसको भी हम खत्म करने जा रहे हैं और एक seamless ट्रेवल विभिन्न राज्यों के बीच में हो जाएग, चाहे खजुराहो है या दूसरे हमारे पर्यटक स्थल हैं, वहां तक जाने के लिए भी हाल ही में माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक कॉमन टिकटिंग सिस्टम का भी प्रावधान unveil किया है। साथ में हम अपनी सर्विसेज का भी इम्प्रूव करें, टैक्सी ड्राइवर्स हैं उनकी सर्विसेज को भी इम्प्रूव करें, क्योंकि हम खुद भी देखते हैं और कंपलेंट भी होती है कि टैक्सी ड्राइवर्स भी इस स्तर के नहीं हैं, तो उनको भी हम ट्रेनिंग दे रहे हैं, ताकि वह भी अच्छे ढंग से कस्टमर्स से पेश आएं। इस तरह से विभिन्न दिशाओं में हम कार्य कर रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स और उसके बाद भी आने वाले पर्यटकों के लिए चाहे वे देशी हों, विदेशी हों एक लेवल ऑफ सर्विस हमारे देश में होना चाहिए, यह हमारा प्रयास है।

ग्यारहवीं योजना में विकलांग व्यक्तियों के लिए लाभ

*405. **श्री प्रभात झा** : क्या **सामाजिक न्याय और अधिकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में विकलांग लोगों जैसे मूक-बधिर, अपाहिज लोगों आदि के फायदे के लिए पृथक अध्याय रखा गया है;

(ख) यदि हां, तो इस अध्याय के आधार पर सरकार द्वारा किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्षा 2008 और 2009 के बजट में मूक-बधिर लोगों के लिए कोई प्रावधान न किये जाने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार विकलांग और मूक-बधिरों के लिए ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में किये गए प्रावधानों को लागू करने के लिए कृत-संकल्प है; और

(ङ) यदि हां, तो इसे कब से लागू किया जाएगा और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री (श्री मुकुल वासनिक): (क) से (ङ) विविरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) 11वीं पंचवर्षीय योजना दस्तावेज के खंड 1 अध्याय 6 ("सामाजिक न्याय") के पैरा 6.172 से 6.186 में विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण की व्यवस्था है।